

Criteria of Quality assurance in Context of Internal Quality Assurance Cell (IQAC)

* IQAC → Internal Quality Assurance Cell
 आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन कोषिका

उद्देश्य - छात्रसंमान के प्रशासनिक प्रदर्शन तथा आकादमिक गैरीकुलर की क्रियात्मक रूप को समग्र रखने तथा निरंतरता को बनाये रखने / मा सुवि कले का तरीका विकसित करना।

(2) विभिन्न प्रकार के शैक्षणिक संस्थानों के क्रियात्मक व गुणात्मक दक्षता को बढ़ा देने के लिये प्रभावी क्षमता के मानक को बनाये रखने बहावा देना।

इन उपर्युक्त उद्देश्यों को प्राप्त करने की (स्ट्रेजि) उपाय कया है।

(1) आकादमिक, प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृश कामे रखने हेतु समय की प्रतिबद्धता, प्रभाविता तथा प्रदर्शन को कतिपय सहायता देकर सुनिश्चित करना।

(2) आकादमिक शोध कर्मों की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने में मदद करना।

(3) समाज के विभिन्न भागों में हो रहे आकादमिक कार्यक्रमों को सभी तक पहुंच दमाफित करने में प्रभावी सहायता प्रदान करना।

(4) शिक्षण अधिगम प्रविधि में हो रहे आधुनिकीकरण से शिक्षकों को समान रूप से सभी को मिलने योग्य प्रविधियाँ से जोडना।

(5) मूल्यांकन तकनीक में विश्वलनीयता का भाव विकसित करना।

(6) सेवा के रूप में सहायक संस्थानों को सही निबधरण को संव पर्याप्त रूप में मरम्मत को सुनिश्चित करना।

(7) भारत तथा भारत से बाहर हो रहे शोध को स्फुराव

functions of IBAC - कर्म -

- 1- देश के विभिन्न शैक्षिक संस्थानों के अकादमिक तथा प्रशासनिक क्रिया-कलाप के मानक को - प्रयोगात्मक रूप से गुणवत्ता व आर्थिक-व्यापित करने एवं विकसित करना।
- 2- शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में प्रयोग होने वाले तकनीकी तथा ज्ञान का ग्रहण करने की प्रविधि तथा गुणवत्ता के साथ-2 अधिगम कर्ता को एक अदृष्ट वातावरण की व्यवस्था उपलब्ध कराना।
- 3- शैक्षिक संस्थान के गुणवत्ता से सम्बन्धित मिले वाले प्रतिपुष्टि से विद्यार्थी तथा अभिभावक के साथ-2 विभिन्न सहयोगी संस्थानों के प्रतिपुष्टि की व्यवस्था-निर्धारित करना।
- 4- शिक्षा के गुणवत्ता स्वी मानक तथा सूचनाओं के आसाम को निर्धारित करना।
- 5- विषयवस्तु से सम्बन्धित कर्मशाला, सेमिनार जो अन्तः तथा अन्तरा विषयवस्तु से सम्बन्धित संस्थानों व संगठनों के लिए विभिन्न प्रारूप स्थापित करना।
- 6- शिक्षा की गुणवत्ता तथा कर्मकर्म व क्रिया-कलाप को विभिन्न स्तरों में प्रमाण-पत्र के रूप में संगठित करना।
- 7- संस्थानों द्वारा दिये गये आंकड़ों के मरम्मत तथा विकास के कार्य को अनुमोदित करना।
- 8- संस्थानों में संचालित हो रहे गुणात्मक सांस्कृतिक कार्यों को संचालित करना। प्रोत्साहन देना।
- 9- IBAC के द्वारा दिये गये वार्षिक रिपोर्ट के आधार पर ही नैक (NMAAT) की गणना करने तैयार होती है।

Composition of IBAC - संघर्ष IBAC

- 1- चयर फर्सन - प्रमुख संस्था का प्रमुख
- 2- वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी
- 3- तीन से आठ अभिभावक
- 4- एक प्रबन्धक सदस्य
- 5- एक या दो नामित स्थानीय समाज के सदस्य या पुराने विद्यार्थी

Self directed Approach to teacher development

हम अपनी योग्यता, अपने सामर्थ्य को स्वयं जानते हैं अपनी क्षमता और सामर्थ्य के अनुसार कार्य करते हैं या कहेंगे - इस उपागम में अध्यापक पहले के लिए आगे आता है - इसमें वह स्वयं 'योजना' बनाता है, उसको 'प्रयोग' करता है तथा स्वयं उसका 'मूल्यांकन' करता है।

(1) इसमें अध्यापक स्वयं योजना बनाता है, उसको लागू करेगा और स्वयं इसका मूल्यांकन करेगा - इसमें वह एक सूझी बनाता है और इसका प्रयोग कक्षा में करता है और उसका मूल्यांकन करता है।

(2) इसमें अध्यापक अपनी प्रोग्रेसिव एजिंग के लिए स्वयं गाइड (निर्देशक) का कार्य करता है।

(3) यह उपागम शिक्षक की सहायता करता है -

(i) यह उपागम अध्यापक को आत्मनिर्भर : विश्वास तथा प्रभावी बनाता है ~~हक~~ स्वयं के द्वारा आधिगम करने के लिए

(ii) यह समझ जाता है कि पहले जा रहे विषयवस्तु किस प्रकार एक दूसरे से अन्तः सम्बन्धित हैं उतं यह परिस्थिति से जाउने की कोशिश करता है।

(iii) वह अपनी व्यापकता लक्ष्य को स्पष्ट करता है स्वयं का मूल्यांकन तथा उपलब्धि को स्वतः स्पष्ट करता है।

(iv) दैनिक जीवन में व्यरित हो रही धलाओ वं स्वयं कार्य करने के लिए सकारात्मक अभिवृत्ति विकसित करता है।

(v) अपने कार्य में जब वह असम हो जाता है तो विषय-वस्तु का विशलेषण, व्याख्यान तथा शिक्षण उद्दिष्टों में परिवर्तन करता है।

(vi) इसमें हम स्वयं का अवलोकन करते हैं तथा अपने

- स्ट्रेट्स : Self directed Approach - (स्तर)
- 1- अपने कमजोरी / कमी का आकलन करेंगे
 - 2- शिक्षा अभिगम में होने वाले गैप को जानने में
 - 3- विषय वस्तु को प्रोग्राम में लाने में
 - 4- अपने योजना का प्रयोग और सुलभाकन करेंगे जो हवा
निर्मित प्रणाली कितनी प्रभावी रही।